सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 79 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 24 अप्रैल, 2023

मूल्य ₹ 3/-

अगर भगवान अस्पृश्यता बर्दाश्त करता है तो मैं उसे भगवान नहीं कहूंगा।
-लोकमान्य गंगाधर तिलक

कभी भी हो सकते हैं चुनाव... 7

मध्य प्रदेश में भाजपा पर है... 3

अतीक के कार्यालय में मिले... 8

विपक्षी एकता की आस

नीतीश कुमार का एक और प्रयास ममता-अखिलेश से की मुलाकात

» 2024 लोस चुनाव पर नजर दिल्ली-बाया पटना-कोलकाता टू लखनऊ

» भाजपा ने कहा-सब बकवास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। 2024 लोकसभा चुनाव में विपक्ष को एकजुट करने के क्रम में बिहार के मुख्यमंत्री सोमवार को पश्चिम बंगाल में सीएम ममता बनर्जी, यूपी में पूर्व सीएम व सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मिले। नीतीश कुमार के इस प्रयास को जहां अन्य सहयोगी दलों ने अच्छी पहल माना है वहीं भाजपा ने इसे बकवास बताया हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जिन्होंने केंद्र में बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ विपक्षी ताकतों को एकजुट करने का जिम्मा लिया है। उन्होंने ममता से मिलने से पहले कहा कि जो देश का इतिहास बदलने में लगे हैं, देश उन्हें ही बदल देगा। वहीं सम्राट चौधरी के मिट्टी में मिला देंगे वाले बयान पर नीतीश कुमार ने कहा कि इस तरह के लोगों के पास बुद्धि नहीं है।

ये बैठक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व सांसद राहुल गांधी से मिलने के लिए दिल्ली की उनकी यात्रा के बाद हुई। इस बैठक को अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले महागठबंधन की नींव रखने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। बता दें कि बीते दिनों हुई बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि यह विपक्षी एकता और वैचारिक लड़ाई के लिए एक ऐतिहासिक कदम है, राहुल गांधी, जिन्होंने मल्लिकार्जुन खड़गे और जेडीयू और आरजेडी नेताओं के साथ अपनी एक तस्वीर पोस्ट की, ने कहा कि वे एक साथ खड़े हैं, भारत के लिए एक साथ लड़ेंगे। गौरतलब है कि सीएम ममता बनर्जी भी 2024 के चुनावों से पहले अन्य दलों के साथ तालमेल बिठाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। उन्होंने पिछले महीने कोलकाता समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात की थी। साथ ही वे लगातार विपक्षी एकता की बात कर रही है।

राहुल गांधी को पटना हाईकोर्ट से बड़ी राहत

पटना। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को पटना हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। मोदी सरनेम मामले में राहुल गांधी को बड़ी राहत देते हुए हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। अब फिलहाल उन्हें पेशी के लिए बिहार नहीं आना पड़ेगा। न्यायाधीश संदीप कुमार की एकलपीठ ने सोमवार को इस मामले पर सुनवाई करते हुए मामले की अगली सुनवाई 15 मई को निर्धारित की है। राहुल गांधी को मोदी सरनेम को लेकर दिये बयान पर एमपी-एमएलए कोर्ट ने 25 अप्रैल को कोर्ट में हाजिर होने का निर्देश दिया था। हाईकोर्ट द्वारा लगाये गई रोक के बाद उन्हें 25 अप्रैल को हाजिर नहीं होना पड़ेगा।

रोबोट पीएम चाहते हैं : मोदी

बीजेपी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने विपक्षी एकता पर करारा प्रहार किया। सुशील कुमार मोदी ने कहा कि भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है लेकिन विपक्षी दल एकता के बहाने रोबोट पीएम बना कर अपना उल्लू सीधा करने में लगे हैं। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी का यह कहना है कि विपक्षी एकता के नाम पर यूपीए सरकार की तरह विपक्ष के तमाम दल एक रोबोट को प्रधानमंत्री के तौर पर देखना चाहते हैं। जिसका रिमोट तमाम विपक्षी दलों के पास रहे और वह रोबोट को अपने मर्जी के अनुसार चला सकें। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि कुंवर सिंह ने तलवार से और दिनकर ने कलम से देश के शौर्य का आह्वान किया था। जबकि आज कुछ लोग केवल निजी महत्वांकाक्षा के चलते देश के शक्ति शाली नेतृत्व की जगह कमजोर प्रधानमंत्री बैठाना चाहते हैं।

28 को होगी अतीक-अशरफ हत्या केस की सुप्रीम सुनवाई

» पूर्व जज की अध्यक्षता में जांच पैनल गठन की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस याचिका पर सुनवाई के लिए हामी भर दी, जिसमें अतीक और अशरफ की हत्या की जांच के लिए सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व जज की अध्यक्षता में एक कमेटी के गठन की मांग की गई थी। कोर्ट ने इस मामले को 28 अप्रैल के लिए लिस्ट करने का निर्देश दिया है।

यह याचिका वकील विशाल तिवारी ने दायर की है, जिन्होंने यूपी में 2017 के बाद से हुए 183 एनकाउंटरों की जांच की मांग की है। तिवारी ने चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की बेंच के सामने इस मामले में तत्काल सुनवाई की मांग की थी। हालांकि, कोर्ट ने इस मामले को 28 अप्रैल को लिस्ट करने के निर्देश दिए।

मामले में एक और याचिका दायर है

पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर ने भी सुप्रीम कोर्ट में लेटर पिटिशन दाखिल करके अतीक अहमद और उसके भाई की हत्या मामले की सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट की निगरानी में सीबीआई जांच कराने की मांग की है। अमिताभ ठाकुर ने याचिका में कहा है कि भले ही अतीक अहमद और उसका भाई अपराधी हों मगर जिस तरह से उनकी हत्या हुई, उससे इस घटना के राज्य पोषित होने की पर्याप्त संभावना दिखती है।

बृजभूषण के खिलाफ पहलवानों ने फिर ठोंकी ताल

» जंतर-मंतर पर प्रदर्शन जारी, दिल्ली पुलिस ने जांच शुरू की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहलवानों का धरना दूसरे दिन सोमवार को भी जारी है। वहीं इसम मामले को लेकर वे सुप्रीमकार्ट भी पहुंच गए हैं। उधर कुश्ती महासंघ के चुनाव को भी टाल दिया गया है।

सभी ने रविवार की पूरी रात सड़क पर गुजारी। वहीं सो गए। देर रात विनेश फोगाट, बजरंग पुनिया और साक्षी मलिक ने एक वीडियो भी जारी कर लोगों से समर्थन के लिए जंतर-मंतर पहुंचने की अपील की। इसके बाद पहलवानों के परिजन भी उनके समर्थन में आ गए हैं। इस बीच बजरंग पूनिया ने कहा कि इस मंच पर सभी राजनीतिक दलों का स्वागत है।

उधर, इस मामले में दिल्ली पुलिस भी एक्टिव हो गई है। दिल्ली पुलिस ने सांसद बृजभूषण पर लगे आरोपों की जांच शुरू कर दी है। दिल्ली पुलिस ने इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन और केंद्रीय खेल मंत्रालय की बनाई दोनों जांच कमेटियों की रिपोर्ट मांगी है।

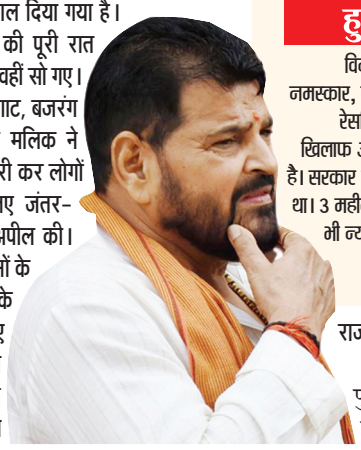

आज भी न्याय नहीं हुआ : विनेश फोगाट

विनेश फोगाट ने सोमवार सुबह कहा, आप सभी को नमस्कार, जैसे कि आप सब जानते हैं। 3 महीने पहले हमने रेसलिंग फेडरेशन के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आवाज उठाई थी। हमारे साथ में कुछ राजनीति हुई है। सरकार ने एक कमेटी बनाई थी। 4 हफ्ते का समय मांगा था। 3 महीने हो गए हमें इंतजार करते हुए, हमारे साथ आज भी न्याय नहीं हुआ है। दो दिन पहले हम पुलिस स्टेशन गए थे। जहां 7 लड़कियों ने बृजभूषण के खिलाफ कार्रवाई करने की शिकायत दी है।

सच्चाई की लड़ाई है, हमारा साथ दीजिए : बजरंग

वहीं, बजरंग पुनिया ने कहा,अगर आज हम बहन-बेटियों की लड़ाई की हम एक साथ इक्ट्ठे नहीं हुए, तो कभी भी कोई बहन-बेटी आवाज उठाने योग्य नहीं रहेगी। हम सभी इक्ट्ठा होकर लड़ेंगे तो न्याय जरूर मिलेगा। आज सभी बहन-बेटियां यहां सड़क पर बैठी हैं, आप सभी सहयोग कीजिए। साक्षी मलिक ने कहा कि ये सच्चाई की लड़ाई है, हमारा साथ दीजिए।

शाह खाली खट्टे डायलाग मारते रहते हैं : ओवैसी

बोले-कभी तो रिकॉर्ड तोड़ महंगाई और बेरोजगारी की भी बात करें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एआईएमआईएम नेता ने अमित शाह को टैग करते हुए एक ट्वीट किया है। ओवैसी ने पूछा,ये ओवैसी-ओवैसी का रोना कब तक चलेगा? खाली खट्टे डॉयलॉग मारते रहते हैं। कभी तो रिकॉर्ड तोड़ महंगाई और बेरोजगारी की भी बात करो। तेलंगाना में प्रति व्यक्ति आय देश में सबसे अधिक है। तेलंगाना में अगले कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव होना है। चुनाव से पहले राजनीतिक दलों के नेताओं के बीच जुबानी जंग और तेज हो गई है।

ऑल इंडिया मजीलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने गृहमंत्री अमित शाह पर पलटवार किया है। एआईएमआईएम नेता ने कहा कि ये ओवैसी-ओवैसी का रोना कब तक चलेगा। बीजेपी ने भी इस पर जवाब दिया है।

तेलंगाना में एक रैली में अमित शाह ने कहा था कि अगर भाजपा तेलंगाना की सत्ता में आई तो मुस्लिमों के लिए आरक्षण को खत्म कर दिया जाएगा। इसके अलावा शाह ने केसीआर की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वह ओवैसी के एजेंडे पर चल रहे हैं। शाह के इस बयान पर पलटवार करते हुए ओवैसी ने कहा कि कभी रिकॉर्ड तोड़ महंगाई और बेरोजगारी पर भी बात किया करें।

हम एआईएमआईएम से नहीं डरते : शाह

गौरतलब है कि शाह रविवार को तेलंगाना के चेवेल्ला में विजय संकल्प सभा को संबोधित कर रहे थे। शाह ने तेलंगाना मुक्ति दिवस (1948 में निजाम की रियासत का भारत में विलय) नहीं मनाने के लिए केसीआर की आलोचना की। उन्होंने कहा कि केसीआर ओवैसी के एजेंडे पर चल रहे हैं। हम एआईएमआईएम से नहीं डरते। तेलंगाना की सरकार राज्य के लोगों के लिए चलाई जाएगी, ओवैसी के लिए नहीं। बीजेपी नेता अमित मालवीय ने कहा,ये देखकर अच्छा लगा कि असदुद्दीन ओवैसी अन्य बातों के साथ-साथ महंगाई के बारे में भी बात करना चाहते हैं। यदि कोई एक राज्य है जिसकी महंगाई दर लगातार अधिक है, तो वह तेलंगाना है। तेलंगाना में महंगाई दर 7.63 फीसदी है, ये राष्ट्रीय औसत से लगभग 2 फीसदी अधिक है।

तेलंगाना के लोगों से नफरत क्यों?

ओवैसी ने आगे कहा कि मोदी पसमांदा मुस्लिमों तक पहुंचने की बात करते हैं। वहीं, शाह मुस्लिम आरक्षण हटाने की बात करते हैं। मुस्लिम विरोधी हेट स्पीच के अलावा बीजेपी के पास तेलंगाना के लिए कोई विजन नहीं है। वे केवल फर्जी मुठभेड़, हैदराबाद पर सर्जिकल स्ट्राइक, कर्फ्यू, बुलडोजर और अपराधियों को रिहा करने की बात करते हैं। आप तेलंगाना के लोगों से इतनी नफरत क्यों करते हैं? ओवैसी ने कहा कि अगर शाह एससी, एसटी और ओबीसी के लिए न्याय के बारे में गंभीर हैं, तो उन्हें 50 फीसदी कोटा सीमा को हटाने के लिए एक संवैधानिक संशोधन पेश करना चाहिए।

न तो मलिक को बुलाया और न ही हिरासत में लिया : दिल्ली पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर सहित चार प्रदेशों के राज्यपाल रहे सत्यपाल मलिक, जिनकी छवि एक दबंग जाट नेता के तौर पर रही है, लगभग तीन घंटे बाद दिल्ली के आरकेपुरम थाने से बाहर आ गए हैं। दिल्ली पुलिस के डीसीपी साउथ-वेस्ट मनोज सी. ने उनकी गिरफ्तारी या हिरासत से इनकार किया है। इससे पहले उनके दर्जनों समर्थक भी थाने पहुंचे थे। शनिवार को 12 बजे जैसे ही पूर्व राज्यपाल को थाने ले जाए जाने की खबरें मिलीं, तो कई राज्यों से खाप पंचायतों के प्रतिनिधि थाने के बाहर एकत्रित होने लगे। किसी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए केंद्रीय अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ की तैनाती भी थाने के बाहर की गई।

सत्यपाल मलिक का सम्मान करने के लिए हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के खाप प्रतिनिधि, आरके पुरम के सेक्टर-12 स्थित सेंट्रल पार्क में एकत्रित हुए थे। वहां पर जैसे ही सत्यपाल मलिक पहुंचे, दिल्ली पुलिस ने उन्हें कायक्रम में भाग लेने से रोक दिया। वहां पर टेंट गिरा दिया गया। खाप प्रतिनिधियों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई थी।

वह सामान भी इधर-उधर बिखरा पड़ा था। पुलिस ने कहा, पार्क में आयोजन की मंजूरी नहीं ली गई थी। दिल्ली पुलिसके मुताबिक पार्क में मीटिंग करने को लेकर उनके पास अनुमति नहीं थी, इस पर पुलिस ने आपत्ति जताते हुए कुछ नेताओं को हिरासत में ले लिया। जिसके बाद सत्यपाल मलिक थाने पहुंचे और धरना देने की घोषणा कर दी।

पुलिस टीम पर शराब माफियाओं का हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पटना में फिर से पुलिस टीम पर हमला हुआ है। बिहटा के मूसेपुर टोला में शराब के लिए छापेमारी करने गई मद्य निषेध विभाग और पुलिस टीम पर शराब माफियाओं हमला कर दिया। इतना ही नहीं हमलावरों ने पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए शराब के एक आरोपी को भी छुड़ा लिया। पुलिस ने विरोध किया तो बदमाशों ने पथराव किया और पुलिस की स्कॉर्पियो की क्षतिग्रस्त कर दिया। इसमें कुछ पुलिसकर्मी भी चोटिल हो गए। पथराव देख पुलिस और मद्य निषेध विभाग की वापस लौटना पड़ा। मद्य निषेध विभाग के 3 पुलिसकर्मी इस घटना में घायल हो गए। करीब आधे घंटे बाद पुलिस टीम वापस गांव पहुंची।

» गिरफ्तार आरोपी को भी छुड़ाया

पुलिस ने छापेमारी कर 2 महिला और 6 पुरुष को हिरासत में लिया। पुलिस हमलावरों की तलाश कर रही है। कुछ संदिग्ध से पूछताछ की जा रही है। घायलों के बारे में पुलिस अधिकारी से पूछने पर उन्होंने सूचना देने से इनकार किया है। थानेदार प्रमोद कुमार का कहना है कि गांव के कुछ शरारती तत्वों ने उत्पाद विभाग की स्कॉर्पियो को क्षतिग्रस्त कर दिया है। शराब के एक आरोपी को भी छुड़ाकर फरार हुए हैं। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है।

नीतीश जी बिहार सुधार कर दिखाइये : आर के सिंह

आरा। केंद्रीय मंत्री सह आरा के सांसद आरके सिंह ने कहा कि यूपी में योगी आदित्यनाथ कानून व्यवस्था को सुधार दिए, बिहार के मुख्यमंत्री भी सुधार कर दिखाएं। यह बात उन्होंने तब कही जब मौका था वीर कुंवर सिंह के विजयोत्सव समारोह का। जहां सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेता एक दूसरे पर जमकर निशाना साधे। जब मीडिया कर्मियों ने आर के सिंह से पटना में अतीक अहमद जिंदाबाद के नारेबाजी पर सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि अतीक अहमद डॉन था और वह गैंगवार में मारा गया। केन्द्रीय मंत्री आर के सिंह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पर भी जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने विधि व्यवस्था को सुधार दिया है। लेकिन जो लोग उन पर सवाल खड़े कर रहे हैं, वह बिहार में मुख्यमंत्री हैं, वह बिहार की दिशा और दशा सुधारें तब ना जाने। इस मौके पर उन्होंने यह भी कहा कि डॉन के समर्थन में नारेबाजी करना शर्म की बात है। जो डॉन के समर्थन में नारेबाजी कर रहे हैं वैसे लोग निकृष्ट हैं।

शाइस्ता को पार्टी में लिया था अतीक को नहीं : उमाशंकर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा विधायक उमाशंकर सिंह ने अतीक की पत्नी शाइस्ता को लेकर उठ रहे सवालों पर सफाई दी है। उमाशंकर ने कहा कि हमने शाइस्ता परवीन को पार्टी में शामिल कराया, न कि अतीक अहमद को और हम यह भी चाहते थे कि वह मेयर चुनाव में खड़े हों।

अभी तक न तो सरकार ने और न ही पुलिस ने ऐसा कोई वीडियो दिखाया है जिससे पता चलता हो कि शाइस्ता परवीन का उस घटना से कोई संबंध है। जिस ऐसा कुछ सामने आएगा बसपा ऐसे व्यक्ति को पार्टी में नहीं रखेगी। उनके खिलाफ पार्टी द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है, वह अभी भी पार्टी में हैं।

अपनों के बागी तेवर से सपा हलकान

यूपी निकाय चुनाव : आलू पट्टी में मान मनौव्वल का दौर जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अपने घर में ही घिरती नजर आ रही है। आलू पट्टी में पार्टी के कई नेता बागी बन गए हैं। उनके ताल ठोकने से पार्टी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। ऐसे में अंतिम समय मान मनौव्वल का दौर शुरू हो गया है। पार्टी की कोशिश है कि बागियों को मनाकर भाजपा से सीधा मुकाबला किया जाए। सपा के गढ़ इटावा में सपा ने इदरीश को टिकट दिया तो दो बार के चेयरमैन रहे जहीर अंसारी ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।

हालांकि वह किसके साथ रहेंगे, अभी पत्ता नहीं खोला है। भरथना में अजय यादव को टिकट मिलने पर मनोज पोरवाल बागी बनकर हाथी पर सवार हो गए हैं। उन्होंने बसपा से अपनी पुत्रवधू वर्तिका को मैदान में उतार दिया है। जसवंत नगर में पार्टी उम्मीदवार सत्यनारायण के खिलाफ पार्टी के ही वरिष्ठ नेता राजेंद्र दिवाकर ने आप के टिकट पर ताल ठोक दी है। लखना में पहले सतीश को उम्मीदवार बनाया गया, लेकिन अगले दिन प्रदीप तिवारी के नाम की घोषणा हो गई। ऐसे में सतीश बसपा उम्मीदवार के तौर पर मैदान में आ गए हैं। बकेवर में पार्टी ने पहले अरबउल्ला खां को उम्मीदवार बनाया और बाद में रेशमा को टिकट दे दिया। ऐसे में अरबउल्ला निर्दल प्रत्याशी के रूप में सपा की मुश्किलें बढ़ा रहे हैं। सपा भोगांव में अधिकृत उम्मीदवार नहीं उतार पाई है। यहां पार्टी समर्थक पूर्व चेयरमैन नसरीन बानो और चांदनी निर्दल उम्मीदवार के तौर पर मैदान में हैं। ऐसे में लोगों की निगाह लगी है कि पार्टी किसे अपना उम्मीदवार घोषित करती है। इसी तरह औरैया में पहले विपिन गुप्ता को प्रत्याशी बनाया गया और अगले दिन ब्रह्मानंद गुप्ता के नाम की घोषणा कर दी गई।

सपा छोड़ भाजपा में शामिल हुईं शाहजहांपुर मेयर प्रत्याशी अर्चना

लखनऊ। सपा ने जिस अर्चना वर्मा को शाहजहांपुर से मेयर का प्रत्याशी बनाया था। वो भाजपा में शामिल हो गईं। भाजपा ने भगवा पटका धारण करने के साढ़े चार घंटे बाद ही उन्हें शाहजहांपुर से अपना मेयर प्रत्याशी घोषित कर दिया। शाहजहांपुर नगर निगम में पहली बार हो रहे मेयर चुनाव में प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद और सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर की साख दांव पर है। खन्ना और राठौर के प्रयास से रविवार शाम ही सपा प्रत्याशी अर्चना वर्मा भाजपा में शामिल हुईं।

मध्य प्रदेश में भाजपा पर है खतरा

» सर्वे में हो रहा नुकसान
» कांग्रेस को मिल सकता है लाभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। 2023 में राजनीति करवट ले सकती है। सियासी गलियारें में चर्चा हो रही है कि इसबार मध्यप्रेदश में शिवराज सरकार की वापसी मुश्किल है। जो सर्वे आर रहे है उसमें मप्र में भाजपा की सरकार को झटका लग सकता है और कांग्रेस की सत्ता में वापसी हो सकती है। हालांकि अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी। वहां दिग्विजय सिंह व कमलनाथ पूरी तरह से अपनी पार्टी की सरकार बनवाने की कवायद में जुट गए हैं। वहीं सत्ता पक्ष बीजेपी जनता को अपने पाले में बरकरार रखने को हरमुमकीन प्रयास में जुटी है।

इसकी के मद्दे नजर दिग्ज नेता राज्य में ताबड़तोड़ दौरा कर रहे हैं। इसी सिलसिले में भागवत मप्र विस चुनाव से पहले अलग-अलग क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं। इसी महीने वे प्रदेश के तीन अलग-अलग क्षेत्रों में आ चुके हैं। अप्रैल में वे भोपाल, बुरहानपुर और जबलपुर का दौरा कर चुके हैं।केंद्र व भाजपा में सत्तारूढ़ भाजपा के लिए 2023 और 2024 चुनौतीपूर्ण हैं। हालांकि, भाजपा पूरी तरह आशान्वित है कि 2023 में पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों और 2024 के आम चुनाव में वह फिर अपना परचम फहराएगी, लेकिन मप्र के चुनाव को लेकर कराए गए एक सर्वे को लेकर मातृसंस्था संघ और भाजपा दोनों कुछ चिंतित नजर आ रहे हैं। माना जा रहा है कि इसीलिए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत अचानक एमपी में सक्रिय हो गए हैं।

18 साल से भाजपा की है सरकार

प्रदेश में करीब 18 साल से भाजपा की सरकार है। 2018 के चुनाव में कांग्रेस सत्ता पर काबिज हुई, लेकिन 15 माह बाद ही उसकी सरकार गिर गई। इसके बाद से फिर भाजपा सत्ता में है। पार्टी के लोगों का मानना है कि उनकी सुनी नहीं जा रही है। सत्ता पर अफसरशाही हावी है। सरकार की तरफ से निकाली गई विकास यात्रा को कई जगह लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। कहीं सड़क नहीं तो कहीं पानी नहीं होने को लेकर लोगों में नाराजगी है। भाजपा के सर्वे में कई पुराने नेता और कार्यकर्ताओं के भी नाराज होने की बात सामने आई है। इसके लिए भाजपा ने 14 नेताओं को कार्यकर्ताओं की नाराजगी का कारण जानने और फीडबैक लेने के लिए सर्वे कराया था। कई पुराने नेताओं की पूछ परख नहीं हो रही है। अब उनको अपनी अगली पीढ़ी के रास्ते भी पार्टी में बंद दिखाई दे रहे हैं। इसके चलते नेता बगावती हो गए हैं। इसके संकेत भी मिलने लगे हैं।

भागवत ने बढ़ाए दौरे

भागवत इसी साल होने वाले मप्र विस चुनाव से पहले अलग-अलग क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं। इसी महीने वे प्रदेश के तीन अलग-अलग क्षेत्रों में आ चुके हैं। अप्रैल में वे भोपाल, बुरहानपुर और जबलपुर का दौरा कर चुके हैं। बुरहानपुर में उन्होंने निमाड़ के मिजाज को समझने की कोशिश की है। जबलपुर से महाकौशल को समझ रहे हैं। दरअसल, हाल के दिनों में कथित रूप से भाजपा के अंदरखाने से जो रिपोर्ट आई है, उससे पार्टी घबराई हुई है। सियासी जानकारों का कहना है कि यही वजह है कि एमपी में संघ प्रमुख सक्रिय हो गए हैं।

एमपी में संघ का बड़ा आधार

नागपुर के बाद संघ का मध्य प्रदेश में बड़ा आधार है। इसलिए आरएसएस यहां सत्ता गंवानी नहीं चाहता है। यहां हर जिले में शाखाएं लग रही हैं। आरएसएस चाहता है कि संघ का विस्तार इसी तरह जारी रहे। इसके लिए प्रदेश में भाजपा सरकार जरूरी है। इसलिए 2018 की गलती को संघ और भाजपा दोहराना नहीं चाहते।

शेखावत व त्रिपाठी ने दिखाए तेवर

इंदौर में तीन बार से विधायक रहे भंवरसिंह शेखावत कह चुके हैं कि पार्टी में उनकी पूछ परख नहीं हो रही है। विंध्य में पार्टी के विधायक नारायण त्रिपाठी ने अलग पार्टी बनाने का एलान कर दिया है।

मंत्री भी लगा चुके आरोप

पार्टी में लंबे समय से कई नेता पार्टी के काम में जुटे हुए हैं। चुनाव का समय आने के बावजूद उनको कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई है। पार्टी के कई बड़े नेता आरोप लगा रहे है कि अधिकारी उनकी सुनते नहीं है। छोटे कार्यकर्ताओं की तो छोड़े दीजिए खुद सरकार में मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया ने आरोप लगाया कि चीफ सेक्रेटरी उनकी सुनते नहीं हैं। इस तरह अधिकारियों पर कार्यकर्ता और नेता कह चुके है कि उनकी हमारी सुनी नहीं जाती है। प्रदेश में भाजपा करीब 18 साल से सत्ता में है। 2018 में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के चेहरे पर पार्टी ने चुनाव लड़ा था, लेकिन नतीजे उत्साह जनक नहीं रहे। इस बार संगठन और सरकार दोनों मिलकर सत्ता वापसी के लिए जोर लगा रहे हैं। वहीं, सरकार और संगठन में समन्वय नहीं होने से पार्टी की स्थिति ज्यादा खराब है। इसको लेकर पार्टी की चिंता बढ़ी हुई है।

स्वार में देखने को मिलेगा दिलचस्प टकरार

मुस्लिम बहुल सीट पर सपा का हिंदू कार्ड, अनुराधा उम्मीदवार

» भाजपा-गठबंधन का मुस्लिम प्रत्याशी
» पांच बार सीट जीत चुकी भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रामपुर के स्वार में मुकाबला दो तरफा रहने की उम्मीद है। वहां पर सपा व भाजपा में ही कड़ा मुकाबला है। कांग्रेस व बसपा ने चुनाव से किनारा कर लिया है। विधानसभा की मुस्लिम बहुल स्वार सीट के उपचुनाव में मुकाबला दिलचस्प हो गया है। सपा ने यहां हिंदू प्रत्याशी उतार कर अपने इरादे बता दिए हैं। उसने क्षत्रिय जाति की अनुराधा चौहान को अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं, भाजपा गठबंधन के खाते से अपना दल (एस) ने यहां से मुस्लिम प्रत्याशी शफीक अहमद अंसारी को मैदान में उतारा है।

स्वार सीट पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां के बेटे अब्दुल्ला आजम की सदस्यता खत्म होने से खाली हुई थी। सपा ने यहां से नामांकन के अंतिम दिन अनुराधा चौहान को उतारकर सभी को चौंका दिया है। यह सीट अब तक तीन बार सपा के कब्जे में रही है, पर ये तीनों मुस्लिम थे। अब तक के चुनावों में मुस्लिम बहुल यह सीट पांच बार भाजपा भी जीत चुकी है। हालांकि, अभी भी सबसे ज्यादा बार यहां से जीतने का रिकॉर्ड कांग्रेस के ही नाम है। बसपा को भी एक बार यहां विजयश्री मिली है। पिछले 20 साल में हुए चुनावों पर नजर दौड़ाएं तो 2002 में यहां से कांग्रेस के टिकट पर नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां जीते।

सपा की दूर दृष्टि का परिचायक

राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि स्वार से सपा का हिंदू प्रत्याशी उसकी दूरदृष्टि प्रदर्शित करता है। वह कहते हैं कि सपा के लिए जीत-हार से ज्यादा अपने बारे में बनी धारणा को बदलना अहम है। इस प्रयोग के पीछे यही सोच है। पिछले कुछ चुनाव गवाह हैं कि जब-जब धार्मिक ध्रुवीकरण हुआ, भाजपा ही आगे रही। सपा हाईकमान ने इसे भलीभांति समझते हुए मुस्लिम बहुल स्वार सीट पर हिंदू प्रत्याशी दिया है।

अब्दुल्ला आजम की रही है सीट

2007 में नवेद मियां ही सपा के टिकट पर फिर जीते, लेकिन बसपा की सरकार बनने पर उन्होंने पाला बदलते हुए इस्तीफा दे दिया। उपचुनाव में वह बसपा प्रत्याशी के रूप में विधानसभा पहुंचे। 2012 के चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर फिर नवेद मियां आगे रहे। 2017 और 2022 के चुनाव में सपा के टिकट पर अब्दुल्ला आजम जीते। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भी भाजपा गठबंधन के तहत अपना दल (एस) ने यहां से मुस्लिम प्रत्याशी दिया था। इस बार भाजपा गठबंधन ने शफीक अहमद अंसारी को उतारकर पसमांदा मुस्लिम कार्ड खेला है। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भी भाजपा पसमांदा समाज को अपने करीब लाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। माना जा रहा था कि सपा इस बार भी यहां से कोई मुस्लिम प्रत्याशी देगी और तब चुनावी लड़ाई भाजपा के पक्ष में रहने की ज्यादा संभावना हो सकती थी। धार्मिक ध्रुवीकरण, उपचुनाव में सत्ता अनुकूल रुझान और भाजपा गठबंधन प्रत्याशी का अपना जातिगत वोट उनका पलड़ा भारी करेंगे, ऐसा सपा खेमे में भी माना जा रहा था।यही वजह रही कि सपा के रणनीतिकारों ने इस मुद्दे पर मंथन के बाद अनुराधा चौहान को हरी झंडी दी गई और उन्होंने आखिरी दिन अपना नामांकन कराया। सपा के रणनीतिकारों का मानना है कि मुसलमान और उदार सोच के हिंदू एक साथ आ जाएं तो परिणाम उसके लिए हितकर हो सकते हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कब बंद होंगे जम्मू में आतंकी हमले

जम्मू-कश्मीर में पुंछ में हुए आतंकी हमले ने एकबार फिर मोदी सरकार पर सवालिया निशान लगा दिया। आतंकी घटनाओं पर लगाम कसने का दावा करने वाले मोदी सराकर को चिढ़ाते हुए आतंकियों ने इस हमले में 5 जवानों की जान भी ले ली। अभी जनवरी में भी इसी तरह की वारदात हुई थी। इतनी शक्ति देने के बाद भी अगर आतंकी इस तरह हत्याएं करेंगे तो विपक्ष ही नहीं जनता के शक के दायरे में आ जाएगी सरकार। हालांकि आतंकिया को पकड़ने की पूरी कोशिश की जा रही है पर कोशिश नही अब सख्त कार्रवाई जरूरी है। एनाअईए व भारतीय सेना आतंकियों की तलाश कर रही है। भारतीय सेना को राजौरी-पुंछ सेक्टर में 6 से 7 सक्रिय आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सूचना मिली है। पुंछ आतंकी हमले के बाद से ही भारतीय सेना चप्पे-चप्पे पर आतंकियों की तलाश कर रही है। भारतीय सेना और सुरक्षा एजेंसियों को राजौरी-पुंछ सेक्टर में उसी इलाके के पास दो समूहों के 6 से 7 सक्रिय आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सूचना मिली है। तलाश में सेना, पुलिस और खुफिया एजेंसियों सहित सुरक्षा बल अभियान का समन्वय कर रहे हैं।

सेना उन क्षेत्रों में बड़े भी बड़े पैमाने पर खोज कर रही है जहां कई गुफा और चट्टानों जैसी प्राकृतिक संरचनाएं मौजूद हैं। इस आतंकी हमले के चलते कई राजनीतिक दलों के कई राजनेताओं ने इस हमले को लेकर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं जम्मू-कश्मीर के राजौरी के जवाहर नगर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस आतंकी हमले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने 'इंडियन आर्मी जिंदाबाद' के नारे लगाए, उन्होंने 'शहीद जवान अमर रहे' के नारे भी लगाए। वहीं आतंकियों के पुतले बना कर भी जलाए। अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाए जाने के बाद वादी में आतंकी हिंसा से संबधित घटनाओं में कमी के साथ ही सुरक्षाबलों के हाथों मरने वाले आतंकियों की संख्या का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। पांच अगस्त 2019 के बाद सुरक्षाबलों ने विभिन्न आतंकरोधी अभियानों में करीब 590 आतंकियों को मार गिराया है। इस दौरान 176 सुरक्षाकर्मी भी बलिदानी हुए हैं और 115 के करीब नागरिक भी विभिन्न आतंकी वारदातों में मारे गए हैं। पांच अगस्त 2019 के बाद से 15 सितंबर 2022 तक 176 पुलिस व अन्य सुरक्षाकर्मी आतंकी हिंसा में बलिदानी हुए हैं। अनुच्छेद 370 को हटाए जाने से पहले के तीन वर्ष के दौरानपांचं अगस्त 2016 से पांच अगस्त 2019 तक 290 पुलिस व अन्य सुरक्षाकर्मी विभिन्न आतंकरोधी अभियानों, आतंकी हमलों में बलिदानी हुए थे। अनुच्छेद 370 को हटाए जाने से पहले तीन वर्ष के दौरान वादी में आतंकी हिंसा की 930 घटनाएं हुई थी।

"अभी जनवरी में भी इसी तरह की वारदात हुई थी। इतनी शक्ति देने के बाद भी अगर आतंकी इस तरह हत्याएं करेंगे तो विपक्ष ही नहीं जनता के शक के दायरे में आ जाएगी सरकार। हालांकि आतंकिया को पकड़ने की पूरी कोशिश की जा रही है पर कोशिश नही अब सख्त कार्रवाई जरूरी है। एनाअईए व भारतीय सेना आतंकियों की तलाश कर रही है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बदलाव के सवालों से जुड़े किंतु-परंतु

उमेश चतुर्वेदी

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद यानी एनसीईआरटी ने 12वीं कक्षा की इतिहास, नागरिक शास्त्र और हिन्दी के पाठ्यक्रम में मौजूदा सत्र से कुछ बदलाव किए हैं। जिस पर राजनीतिक विवाद खड़ा नहीं होता तो ही आश्चर्य होता। सबसे ज्यादा सवाल इतिहास की पुस्तक से मुगल साम्राज्य से जुड़े पाठ को हटाने पर उठाए जा रहे हैं। जाहिर है, कांग्रेस समेत गैर भाजपा दलों ने इस बदलाव को लेकर सवाल खड़े किये हैं। एनसीईआरटी के पूर्व निदेशक कृष्ण कुमार ने भी इस मामले पर सवाल उठाए हैं। कृष्णकुमार ने कहा है, 'पुस्तकों से अध्यायों को हटाकर बच्चों के पढ़ने और समझने के अधिकार को छीना जा रहा है। सीबीएसई ने जिन अध्यायों को हटाया है उनमें अंतर्विरोध है।

आप संघवाद के अध्याय को हटाकर संविधान बच्चों को पढ़ाएं—ये कैसे होगा? आप सामाजिक आंदोलन के अध्याय को हटाएं और इतिहास पढ़ाएं, ये कैसे होगा? इतिहास सामाजिक आंदोलनों से ही तो जन्म लेता है। ये कटौती बच्चों में रटने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देगी।' यहां याद करना चाहिए कि वाजपेयी सरकार के बाद आई मनमोहन सरकार ने आनन-फानन में वाजपेयी सरकार के दौरान किए गए बदलावों को हटाने की तैयारी की तो उसकी जिम्मेदारी कृष्णकुमार को ही दी गई थी। तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री अर्जुन सिंह श्री कुमार को ही एनसीईआरटी का निदेशक बनाकर लाए थे। तब शिक्षा विभाग के सचिव के रूप में उन्होंने अपने सबसे भरोसेमंद सुदीप घोष को तैनात किया है। सुदीप घोष जाने-माने कवि भी थे। कहा जाता है कि घोष और कृष्ण कुमार की टीम ने मिलकर वाजपेयी सरकार द्वारा लाए गए बदलावों को उलट दिया। तब योगेंद्र यादव भी एक समिति से सदस्य बनाए गए थे। दरअसल, बदले गए पाठ्यक्रम के अनुसार भारतीय इतिहास की थीम्स के दूसरे हिस्से से 16वीं और 17वीं सदी के मुगल दरबार और उस दौर के शासकों के साथ ही उनसे जुड़े इतिहास से संबंधित अध्यायों को हटा दिया गया है। इसी तरह नागरिक शास्त्र की किताब से 'यूएस हेजेमनी इन वर्ल्ड पॉलिटिक्स' और 'द कोल्ड वॉर एरा' जैसे पाठ हटाए गए हैं।

इसी तरह स्वतंत्र भारत में राजनीति नामक किताब से 'जन आंदोलन का उदय' और 'एक दल के प्रभुत्व का दौर' हटा दिया गया है। इन अध्यायों में कांग्रेस के वर्चस्व की प्रकृति, समाजवादी, कम्युनिस्ट पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया, भारतीय

जनसंघ आदि को पढ़ाया जाता है। एनसीईआरटी ने हिन्दी विषय में भी बदलाव किए हैं। इसके तहत हिन्दी आरोह भाग-2 की किताब से फिराक गोरखपुरी की गजल और अंतरा भाग दो नामक पुस्तक से सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का गीत गाने दो मुझे को हटा दिया है। इसके अलावा विष्णु खरे की रचना एक काम और सत्य को भी हटाया गया है। एनसीईआरटी ने सिर्फ बारहवीं कक्षा की ही पुस्तकों में बदलाव नहीं किया है, बल्कि 10वीं और 11वीं कक्षा की किताबों से भी कई पाठ हटाए हैं। 11वीं की किताब 'थीम्स इन वर्ल्ड हिस्ट्री' से 'सेंट्रल इस्लामिक लैंड्स', 'संस्कृतियों का टकराव' और 'द इंडस्ट्रियल रेवोल्यूशन' जैसे पाठ हटाए गए हैं। इसी तरह 10वीं की किताब लोकतांत्रिक राजनीति-2 से लोकतंत्र और विविधता, लोकप्रिय संघर्ष और आंदोलन, लोकतंत्र की चुनौतियां जैसे पाठ भी हटाए गए हैं। पाठों के हटाने को लेकर जब विवाद बढ़ने लगा तो एनसीईआरटी के निदेशक प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी को सामने आना पड़ा। सकलानी ने कहा कि कोविड महामारी के बाद पिछले साल हर विषय के लिए परिषद ने विशेषज्ञ समिति बनाई थी। इस समिति ने सुझाव दिया कि पाठ्यक्रमों का बोझ घटाया जाना चाहिए। इसी समिति की रिपोर्ट पर पाठ हटाए गए हैं। उल्लेखनीय है कि साल 1998 में जब केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी की अगुआई वाली केंद्र सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री मुरली मनोहर जोशी की पहल पर पाठ्यक्रम में एनसीईआरटी ने बदलाव करने की कोशिश की थी। तब जोशी की पहल पर पाठ्यक्रम में वैदिक गणित शामिल किया गया। 2004 में केंद्र में कांग्रेस की अगुआई वाली गठबंधन सरकार आई तो महज साल भर के भीतर ही उस सरकार ने बदले गए पाठ्यक्रमों को हटा दिया।

मोदी सरकार के आठ साल बीतने को हैं, तब यह बदलाव सामने आया है। लेकिन यह भी सच है कि परिषद ने सिर्फ मुगल इतिहास में ही बदलाव नहीं लाया है बल्कि गणित, विज्ञान, भूगोल समेत तकरीबन सभी विषयों के पाठों में कटौती की गई है। वैसे मुगल इतिहास पर वैचारिक सवाल सदा से रहे हैं। वामपंथी वैचारिकी की ओर से तैयार किए गए मुगल इतिहास से जुड़े पाठ्यक्रम में तत्कालीन हकीकत को छुपाया गया और मुगल शासकों को सिर्फ और सिर्फ महान बताया गया।

डिजिटल गवर्नेंस की दिशा में प्रभावी पहल

जयंतीलाल भंडारी

इन दिनों पूरी दुनिया में हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) द्वारा प्रकाशित वर्किंग पेपर 'स्टैकिंग अप द बेनिफिट्स लेसन्स फ्रॉम इंडियाज डिजिटल जर्नी' को पढ़ा जा रहा है। इसमें कहा गया है कि भारत ने अपने सतत् विकास लक्ष्यों का समर्थन करने के लिए एक विश्वस्तरीय बहुआयामी मजबूत डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा (डीपीआई) विकसित किया है। यह अन्य देशों के लिए सबक है, जो अपने स्वयं के डिजिटल बदलाव की शुरुआत कर रहे हैं। वस्तुत: डिजिटल पेमेंट के मामले में भारत दुनिया में सबसे आगे है और भारत में डिजिटल क्रांति का अनुभव हो रहा है। उल्लेखनीय है कि इस वर्किंग पेपर में प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) की सराहना की गई है और कहा गया है कि मजबूत डिजिटल नीतियों से भारत में प्रतिस्पर्धी, खुला और किफायती दूरसंचार बाजार बना है और मोबाइल डेटा की लागत में 90 फीसदी की कमी से डाटा के इस्तेमाल में उछाल आया है।

नोटबंदी से यूपीआई समेत भुगतान के अन्य तरीकों का अधिक इस्तेमाल हुआ है। डिजिटलीकरण ने भारत की अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाने में मदद की है और आधार ने लीकेज को कम करते हुए लाभार्थियों को भुगतान के प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर-डीबीटी) में मदद की है। कहा गया है कि इस डिजिटल बुनियादी ढांचे का उपयोग करते हुए भारत कोविड-19 महामारी के दौरान गरीब परिवारों के एक बड़े हिस्से को जल्दी से सहायता प्रदान करने में सक्षम बना रहा है। साथ ही मार्च, 2021 तक डिजिटल बुनियादी ढांचे और अन्य डिजिटल सुधारों के कारण व्यय में जीडीपी का लगभग 1.1 फीसदी बचाया गया है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि इस समय देश में करीब 47.8 करोड़ से अधिक जनधन खातों, (जे) करीब 134 करोड़ से अधिक आधार कार्ड (ए) और 118 करोड़ से अधिक मोबाइल उपभोक्ताओं (एम) के तीन आयामी जैम से आम आदमी डिजिटल दुनिया से जुड़ गया है। भारत में वर्ष 2014 से लागू की गई डीबीटी योजना बेहद लाभदायक सिद्ध हुई है। निश्चित रूप से डिजिटल समानता से समाज के सभी वर्गों की पहुंच डिजिटल प्रौद्योगिकी की ओर बढ़ गई है। भारत में डीबीटी से कल्याणकारी योजनाओं के जरिए महिलाओं, बुजुर्गों और किसानों और कमजोर वर्ग के लोगों को अकल्पनीय फायदा हो रहा है।

गौरतलब है कि 3 अप्रैल को एक कार्यक्रम में कहा गया कि सरकार ने वर्ष 2014 से लेकर अब तक डीबीटी के जरिए करीब 27 लाख करोड़ रुपये से अधिक राशि सीधे लाभान्वितों के बैंक खातों तक पहुंचाई है। केंद्र सरकार द्वारा गरीबों, किसानों और कमजोर वर्ग के करोड़ों लोगों के बैंक खातों में डीबीटी से सीधे सब्सिडी जमा कराए जाने से करीब सवा दो लाख करोड़ रुपये बिचौलियों के हाथों में जाने से बचाये गए हैं। नि:संदेह भारत ने पिछले एक दशक में मजबूत डिजिटल ढांचे से डिजिटलीकरण में एक लंबा सफर तय कर लिया है।

सरकारी योजनाओं के तहत बिचौलियों के भ्रष्टाचार को रोकने, काम के भौतिक रूपों व सरकारी कार्यालयों में लम्बी कतारों से राहत और घरों में आराम से मोबाइल स्क्रीन पर कुछ क्लिक करके विभिन्न सेवाओं की सहज उपलब्ध सुविधाए हैं। ज्ञातव्य है कि जहां केंद्र सरकार और राज्य सरकारों की 450 से अधिक सरकारी योजनाओं का फायदा सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में पहुंचाने में बड़ी कामयाबी मिली है, वहीं लोगों की सुविधाएं बढ़ी हैं। देश में सौ से अधिक सरकारी सेवाएं आनलाइन उपलब्ध हैं। पहले बैंक, गैस, स्कूल, टोल, राशन हर जगह कतारें होती थीं, लेकिन अब ऐसा नहीं है। सरकारी दफ्तर आपकी मुट्ठियों में रखे मोबाइल तक पहुंच गए हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है कि छोटे उद्योग-कारोबार के लिए सरल ऋण और रोजगार सृजन हेतु अप्रैल, 2015 को डिजिटल रूप से लागू प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत मार्च, 2023 तक 40.82 करोड़ लोन खातों में 23.2 लाख करोड़ रुपये पहुंचाए गए हैं। इसी तरह अटल पेंशन योजना, भारत बिल भुगतान प्रणाली, राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह, आधार-सक्षम भुगतान प्रणाली और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, स्टैंड अप इंडिया और तत्काल भुगतान सेवा, डिजिटल आयुष्मान भारत मिशन से भी समाज के करोड़ों लोग लाभान्वित हो रहे हैं। डिजिटल पेमेंट के मामले में भारत दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल है और भारत ने अमेरिका, यूके और जर्मनी जैसे बड़े देशों को पीछे कर दिया है। ये सब सेवाएं भारत में डिजिटल गवर्नेंस के एक नए युग की प्रतीक हैं।

इतना ही नहीं, किसानों के समावेशी विकास में भी डीबीटी की अहम भूमिका है। एक जनवरी, 2023 से डिजिटल राशन प्रणाली से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाय) के तहत 80 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को हर महीने खाद्यान्न नि:शुल्क प्रदान किया जा रहा है। 27 फरवरी, 2023 तक किसान सम्मान निधि योजना के तहत 13 किस्तों में 11 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में डीबीटी से सीधे करीब 2.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक हस्तांतरित किए जा चुके हैं। वस्तुत: देश में बढ़ते हुए डिजिटलीकरण ने रोजगार के नए डिजिटल अवसर भी पैदा किए हैं। कोरोना की चुनौतियों के बीच भारत के आईटी सेक्टर द्वारा समय पर दी गई गुणवत्तापूर्ण सेवाओं से वैश्विक उद्योग-कारोबार इकाइयों का भारत की आईटी कंपनियों पर भरोसा बढ़ा है।

खूबसूरत मंदिर और पर्यटन स्थल के लिए प्रसिद्ध है कानपुर

उत्तर प्रदेश में कई शहर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध है। प्रदेश में कई ऐसे ऐतिहासिक और भव्य पर्यटन स्थल हैं, जिन्हें देखने के लिए विदेशों से यात्री आते हैं। यूपी के सबसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों का नाम आते ही सबसे पहले वाराणसी, आगरा और मथुरा जैसे शहरों का नाम याद आता है, लेकिन उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ और इसके आसपास के शहरों में भी बहुत खूबसूरत स्थल हैं। लखनऊ का पड़ोसी शहर कानपूर एक प्रमुख औद्योगिक और सांस्कृतिक केंद्र है। कानपुर में खूबसूरत मंदिर हैं तो वहीं अन्य पर्यटन स्थल भी हैं। अगर आप यूपी में हैं और कम समय में आसपास की खास जगहों को घूमना चाहते हैं तो कानपुर जा सकते हैं। कानपुर की सैर बजट में की जा सकती हैं।

श्री राधा कृष्ण मंदिर

कानपुर आने वाले लोगों को जेजे मंदिर जरूरी जाना चाहिए। शहर के सर्वोदय नगर के गोविंद नगर रोड पर जुग्गीलाल कमलापति मंदिर स्थित है, जिसे जेके टेंपल या श्री राधा कृष्ण मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इस मंदिर में प्राचीन और आधुनिक दोनों तरह की वास्तुकला देखने को मिलती है। 1952 में इस मंदिर का निर्माण जेजे ट्रस्ट की देखरेख में हुआ था। इस मंदिर में भगवान राधा कृष्ण की मूर्ति स्थापित है, हरियाली और झीलों के बीच घिरा है। मंदिर काफी भव्य है, जहां पांच टावरों में अलग अलग भगवानों के मंदिर हैं।

फूल बाग और संग्रहालय

कानपुर में एक ऐतिहासिक पार्क है, इस पार्क का नाम फूल बाग है। पहले यहां राजनीतिक रैलियां और जनसभाएं हुआ करती थीं। ब्रिटिश प्रशासन ने इस पार्क को मनोरंजन स्थल के रूप में तैयार कराया। फूल बाग में कानपुर संग्रहालय है, जो शहर का सबसे बड़ा संग्रहालय है।

मोती झील

कानपुर में शांत और खूबसूरत माहौल में शाम का वक्त बिताने के लिए मोती झील घूमने जा सकते हैं। शहर के बेनाझाबर इलाके में स्थित इस बेहतरीन दर्शनीय स्थल की निर्माण अंग्रेजों के दौर में हुआ था। उस समय पानी उपलब्ध कराने के लिए झील बनवाई गई। बाद में इसे पार्क और लैंडस्केप गार्डन का रूप दिया गया। आप अपने परिवार, दोस्तों या पार्टनर के साथ झील में बोटिंग के लिए जा सकते हैं।

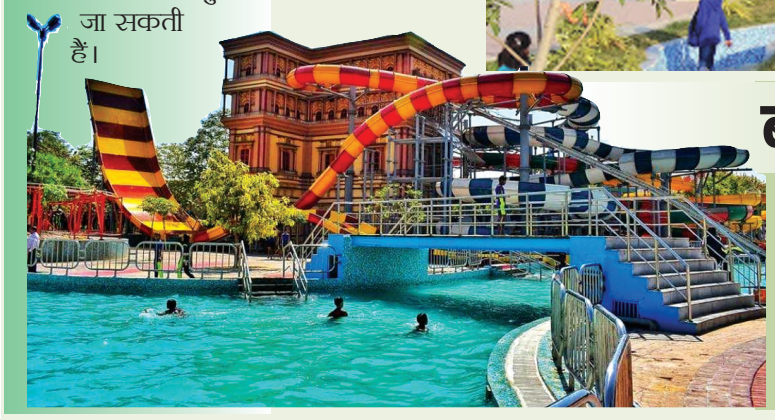

ब्लू वर्ल्ड थीम पार्क

पिछले कुछ सालों में कानपुर की सबसे लोकप्रिय जगहों में ब्लू वर्ल्ड थीम पार्क का नाम शामिल हो गया है। ब्लू वर्ल्ड 25 एकत्र क्षेत्र में फैला विशाल वॉटर पार्क है। इस पार्क में ड्राई राइड्स, वाटर राइड्स, सेवन वंडर्स, डायनासोर वर्ल्ड, म्यूजिक वर्ल्ड फाउंटेन, म्यूजिक शो, लेजर शो, मजेदार झूले का लुत्फ उठाने के लिए जा सकते हैं।

हंसना मना है

अध्यापक ने सभी बच्चों से 'क्रिकेट मैच' पर निबंध लिखन को कहा: सभी छात्र अपनी-अपनी कापी लेकर निबंध लिखने में जुट गए। मगर पप्पू चुपचाप बैठा था.. अध्यापक ने उसकी कापी देखी और देखते ही बेहोश हो गये। उस पर सिर्फ एक लाइन लिखी थी: बारिश की वजह से मैच स्थगित कर दिया गया है।

टीचर- कल क्यों नहीं आया? पप्पू- नहीं बताऊंगा? टीचर चांटा मारकर- जल्दी बता, पप्पू- वैलेंटाइन डे पर गर्लफ्रेंड के साथ था। टीचर- इतना छोटा होके भी गर्लफ्रेंड के साथ घूमता है, कौन थी वो लड़की? पप्पू- आपकी बेटी ! (टीचर बेहोश)

अध्यापक- चिटू तुम कल स्कूल क्यों नहीं आए? चिंटू-सर , कल मैं सपने में अमरीका चला गया था। अध्यापक- ठीक है! पिन्टू तुम क्यों नहीं आए? पिन्टू-सर , मैं चिंटू को एयरपोर्ट छोड़ने गया था।

अध्यापक-रोहन, अगर तुम्हारे पास पंद्रह सेब हों जिनमें से छ: तुम निर्मला को दे दो, चार सुनिता को दे दो और पांच डौली को दे दो तो तुम्हें क्या मिलेगा? रोहन- सर ! मुझे तीन नई गर्लफ्रेंड मिलेगी?

कहानी — चांद पर खरगोश

बहुत समय पहले गंगा किनारे एक जंगल में चार दोस्त रहते थे, खरगोश, सियार, बंदर और ऊदबिलाव। इन सभी दोस्तों की एक ही चाहत थी, सबसे बड़ा दानवीर बनना। एक दिन चारों ने एक साथ फैसला लिया कि वो कुछ-न-कुछ ऐसा ढूंढकर लाएंगे, जिसे वो दान कर सकें। परम दान करने के लिए चारों मित्र अपने-अपने घर से निकल गए। ऊदबिलाव गंगा तट से लाल रंग की सात मछलियां लेकर आ गया। सियार दही से भरी हांडी और मांस का टुकड़ा लेकर आया। उसके बाद बंदर उछलता-कूदता बाग से आम के गुच्छे लेकर आया। दिन ढलने को था, लेकिन खरगोश को कुछ नहीं समझ आया। उसने सोचा अगर वो घास का दान करेगा, तो उसे दान का कोई लाभ नहीं मिलेगा। यह सोचते-सोचते खरगोश खाली हाथ वापस चला गया। खरगोश को खाली हाथ लौटते देख उससे तीनों मित्रों ने पूछा, अरें! तुम क्या दान करोगे? आज ही के दिन दान करने से महादान का लाभ मिलेगा, पता है न तुम्हें। खरगोश ने कहा, हां, मुझे पता है, इसलिए आज मैंने खुद को दान करने का फैसला लिया है। यह सुनकर खरगोश के सारे दोस्त हैरान हो गए। जैसे ही इस बात की खबर इंद्र देवता तक पहुंची, तो वो सीधे धरती पर आ गए। इंद्र साधु का भेष बनाकर चारों मित्रों के पास पहुंचे। पहले सियार, बंदर और ऊदबिलाव ने दान दिया। फिर खरगोश के पास इंद्र देवता पहुंचे और कहा तुम क्या दान दोगे। खरगोश ने बताया कि वो खुद को दान कर रहा है। इतना सुनते ही इंद्र देव ने वहां अपनी शक्ति से आग जलाई और खरगोश को उसके अंदर समाने के लिए कहा। खरगोश हिम्मत करके आग के अंदर घुस गया। इंद्र यह देखकर हैरान रह गए। उनके मन में हुआ कि खरगोश सही में बहुत बड़ा दानी है और इंद्र देव यह देख बहुत खुश हुए। उधर, खरगोश आग में भी सही सलामत खड़ा था। तब इंद्र देव ने कहा, मैं तुम्हारी परीक्षा ले रहा था। यह आग मायावी है, इसलिए इससे तुम्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा। इतना कहने के बाद इंद्र देव ने खरगोश को आशीर्वाद देते हुए कहा, तुम्हारे इस दान को पूरी दुनिया हमेशा याद करेगी। मैं तुम्हारे शरीर का निशान चांद पर बनाऊंगा। इतना कहते ही इंद्र देव ने चांद में एक पर्वत को मसलकर खरगोश का निशान बना दिया। तब से ही मान्यता है कि चांद पर खरगोश के निशान हैं और इसी तरह चांद तक पहुंचे बिना ही, चांद पर खरगोश की छाप पहुंच गई।

कहानी से सीख- किसी भी काम को करने के लिए दृढ़ शक्ति का होना जरूरी है।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज कोई शुभ समाचार के मिलने से पूरे दिन मन प्रसन्न रहेगा। आज पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाने में सफल रहेंगे।

वृषभ आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा लेकिन परिवार में चल रही चिंताओं के कारण आपको बहुत कुछ सोच विचार करना होगा। कोई महत्वपूर्ण डिसीजन लेना पड़ेगा।

मिथुन मिथुन राशि वाले अपने निरंतर प्रयासों के साथ प्रयास करते रहें, सफलता निश्चित रूप से आपके पास आएगी। विवादों का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। इस राशि के कर्मचारियों के लिए आज का दिन अच्छा है। आज आप किसी पुरानी बातों में उलझ सकते हैं, बेहतर रहेगा आप उसे इग्नोर करें।

सिंह आज का दिन आपको बुलंदियों पर पहुंचाने वाला होगा। आपकी इनकम जबरदस्त तरीके से बढ़ेगी। आपके कुछ नये आईडिया भी आपके काम के मामले में आएंगे।

कन्या सेहत पर ध्यान दें। पैतृक संपत्ति को लेकर परिजनों से मनमुटाव हो सकता है, परंतु यह परिस्थिति थोड़े समय के लिए ही रहेगी, बाद में सबकुछ ठीक हो जाएगा।

तुला आज का दिन आपके लिए मिला जुला रहने वाला है। खर्चों पर थोड़ा ध्यान देने की जरुरत है। महिलाओं को कार्यों में आज बच्चें सहयोग करेंगे।

वृश्चिक आज का दिन आप की सेहत को लेकर थोड़ा कमजोर रहेगा। आप अपने अंदर एक अजीब सी बेचैनी महसूस करेंगे। किसी बात को लेकर चिंता मग्न हो सकते हैं।

धनु कारोबार में थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है। भक्ति में मन लगा रहेगा। आर्थिक दृष्टि से आज का दिन थोड़ा खर्चीला होगा।

मकर आज स्टूडेंट्स को मेहनत के अनुरूप परिणाम मिलेंगे। आज आप घर पर कुकिंग का आनंद उठाएंगे। बच्चें भी आपकी सहायता करेंगे। गुस्से पर नियंत्रण रखे।

कुम्भ आज का दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। अपनी संतान के बारे में सोचेंगे। उनके भविष्य की चिंता होगी। पढ़ाई में विघ्न आ सकते हैं। शादीशुदा लोगों का जीवन अच्छा रहेगा।

मीन आज आपके निजी जीवन में कुछ अच्छे बदलाव होंगे। आप खुद को एनर्जेटिक महसूस करेंगे। करियर में आपकी तरक्की के रास्ते खुल सकते हैं।

5700 से ज्यादा स्क्रीन्स पर रिलीज हुई

किसी का भाई किसी की जान

फिल्म किसी का भाई किसी की जान रिलीज हो गई है। रिलीज से पहले सलमान खान की यह फिल्म अपनी एडवांस बुकिंग को लेकर काफी चर्चा में रही है। वहीं दिग्गज अभिनेता के फैंस भी फिल्म किसी का भाई किसी की जान का काफी वक्त से इंतजार कर रहे थे। वहीं फिल्म का फर्स्ट डे फर्स्ट शो देखने के बाद सलमान खान के फैंस सहित तमाम सोशल मीडिया यूजर्स ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। भाईजान के फैंस ने जहां फिल्म को देखने के बाद मिली-जुली प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

गौरतलब है कि फिल्म किसी का भाई किसी की जान को दुनियाभर में 5700 से ज्यादा स्क्रीन्स पर रिलीज किया जा रहा है। ऐसे में कई ट्रेड एनालिस्ट्स का मानना है कि भाईजान की फिल्म अपने पहले दिन 15 से 18 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर सकती है। कुछ ट्रेड एनालिस्ट्स ने कहा है कि सलमान खान की फैन फॉलोइंग के हिसाब से उनकी फिल्म का पहले दिन का यह कलेक्शन कम हो सकता है, लेकिन ईद यानी शनिवार और रविवार को फिल्म किसी का भाई किसी की जान का कलेक्शन अपने अपने पहले दिन की तुलना में अच्छा होगा। हालांकि यह अभी सिर्फ अनुमानित आंकड़े हैं।

आपको बता दें कि फिल्म किसी का भाई किसी की जान में सलमान खान के अलावा पूजा हेगड़े, भूमिका चावला, राघव जुयाल, जगपति बाबू, शहनाज गिल, पलक तिवारी, विजेंदर सिंह, अभिमन्यु सिंह सिद्धार्थ निगम, जस्सी गिल, और विनाली भटनागर मुख्य भूमिका में हैं। बीते दिनों फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ था। जिसे सलमान खान के फैंस ने खूब पसंद किया था।

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड | मन की बात

साउथ और बॉलिवुड में काम करने के तरीके में है बड़ा अंतर : अक्षा

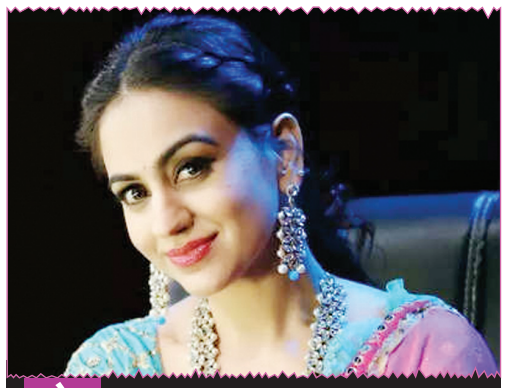

तेलुगू, मलयालम के साथ हिंदी सिनेमा में वेब सीरीज काठमांडू कनेक्शन सीजन-2, जामताड़ा में काम कर चुकीं एक्ट्रेस अक्षा परदासनी बीते दिनों कॉमिडी फिल्म शुभ निकाह में मुख्य किरदार निभाते हुए नजर आई थीं। बीते दिनों वह लखनऊ आईं तो उन्होंने साउथ वर्सेज बॉलिवुड, ओटीटी, फिल्म इंडस्ट्री के ज्वलंत मुद्दों पर खुलकर विचार रखें। मैं मुंबई से ताल्लुक रखती हूं। बचपन से हर किसी का सपना होता है कि वो डॉक्टर, इंजिनियर बने, उसी तरह मेरा सपना था ऐक्टर बनने का। जब घर में मेहमान आते थे तो मैं उनके सामने मिमिक्री और डांस करती थी। जैसे-जैसे बड़ी हुई मेरा शौक पैशन में बदल गया। मैंने साउथ में कई फिल्में कीं लेकिन मुझे पहचान वेब सीरीज जामताड़ा से मिली। इसने दर्शकों के बीच मेरे चेहरे और काम दोनों को ही पहचान दिलाई। उसी का नतीजा है कि आज मुझे अच्छा काम मिल रहा है। अक्सर लोग सवाल करते हैं कि साउथ और बॉलिवुड में काम करने के तरीके में क्या अंतर है? मुझे बस एक अंतर नजर आया और वो शायद काफी बड़ा है। साउथ में अनुशासन बहुत है। अगर वहां शूट का टाइम 7 बजे है तो फिर चाहे जितना बड़ा स्टार क्यों ना हो, वह सेट पर 7 बजे से पहले ही पहुंच जाएगा। वहां पर समय की बहुत अहमियत है। अनुशासन के मामले में बॉलिवुड उससे पीछे है। यहां पर लेट-लतीफी चलती है लेकिन मेरा दोनों इंडस्ट्रीज में काम करने का अनुभव अच्छा रहा। आज ओटीटी की पहुंच लगभग हर दर्शक तक है। फिर चाहे वो टेलिविजन, फिल्मों का ही दर्शक क्यों ना हो। ओटीटी का मार्केट इतना बड़ा हो गया कि हर कोई उसकी तरफ खिंचा जा रहा है। पहले टीवी और फिल्मों का दौर था और हम जैसे न्यू कमर और बाहर से आए लोगों को काफी लंबा इंतजार करना पड़ता था।

क्रॉप टॉप पहनकर दिशा ने की गंगा आरती, हो रहीं ट्रोल

दिशा पाटनी अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी सुर्खियों में बनी रहती हैं। हाल ही में डीवा को न्यूयॉर्क में अपनी शानदार परफॉर्मेंस से दर्शकों का मनोरंजन करते देखा गया। एंटरटेनर्स टूर के दौरान दिशा ने बेहतरीन ठुमके लगाए, जिसका वीडियो देखकर हर कोई उनका दीवाना हो गया। वहीं, अब दिशा का एक और वीडियो इंटरनेट जगत में छाया हुआ है। हालांकि, इसे देखकर लोग खुश होने के बजाए उनकी क्लास लगाते नजर आ रहे हैं।

हाल ही में दिशा पाटनी के फैन क्लब ने उनका एक वीडियो साझा किया, जो देखते ही देखते मनोरंजन जगत में वायरल हो गया। इस क्लिप में दिशा वाराणसी में गंगा आरती करती नजर आ रही हैं। इस दौरान वह ब्लैक क्रॉप टॉप और मैचिंग स्वेटपैंट पहनकर खुद को स्टोल से ढकी देखी जा रही हैं। हालांकि, नेटिजन्स को दिशा का यह पहनावा बिल्कुल पसंद नहीं आया है और उन्होंने वीडियो को देखते ही एक्ट्रेस को आड़े हाथों लेना शुरू कर दिया है।

दिशा पाटनी के वीडियो को देखकर एक यूजर ने कमेंट कर लिखा है, हमारी पू कपड़ों में कितनी अच्छी लगती है ना। दूसरे ने लिखा, पू बनी पार्वती। वहीं, एक अन्य लिखते हैं, क्या ये डैमेज कंट्रोल उनके पीआर ने किया है? एक ट्रोल्स ने दिशा पर तंज कसते हुए लिखा है, कोई जजमेंट नहीं लेकिन क्या उसने अभी भी क्रॉप टॉप नहीं पहना है? इस तरह कई सारे यूजर्स दिशा के पहनावे को देखकर भड़कते नजर आए हैं।

दिशा पाटनी के वर्कफ्रंट की बात करें तो, उन्हें आखिरी बार फिल्म एक विलेन रिटर्न्स में जॉन अब्राहम के साथ रोमांस फरमाते देखा गया था। अब दिशा को अगली बार सागर ओम्ब्रे और पुष्कर ओझा की मूवी योद्धा में सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते देखा जाएगा।

इस महिला को ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए खर्च करने पड़े पूरे 11 लाख रुपये

ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए आपको कितने रुपये खर्च करने पड़े होंगे? ज्यादा से ज्यादा 4 या 5 हजार रुपये और उसके बाद आपको ड्राइविंग लाइसेंस भी मिल गया होगा। लेकिन सोचिए अगर आपको ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए 10-20 हजार रुपये नहीं बल्कि 11 लाख रुपये खर्च करने पड़ें तो आप क्या करेंगे। यकीनन आप ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने का अपना सपना छोड़ ही देंगे। लेकिन दक्षिण कोरिया से एक ऐसा ही मामला सामने आया है। जहां एक महिला को करीब दो दशक तक इंतजार करने के बाद ड्राइविंग लाइसेंस मिला। जिसमें उसके 11 लाख रुपये खर्च हो गए। दरअसल, इस दौरान महिला ने 959 बार टेस्ट दिए जिसमें वह बार-बार फेल होती रही। और उसे 18 साल तक ड्राइविंग लाइसेंस के लिए इंतजार करना पड़ा। दक्षिण कोरिया में रहने वाली चासा सून के साथ ये सब हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस महिला ने 18 साल पहले यानी कि साल 2005 में ड्राइविंग लाइसेंस के लिए पहली बार लिखित परीक्षा दी थी। उसके बाद 18 साल तक वह 959 बार ड्राइविंग लाइसेंस के प्रैक्टिकल टेस्ट में फेल हो गई। मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, महिला ने हफ्ते में दो दिन लिखित टेस्ट देना शुरू किया। इसके बाद उसने 10 बार कोशिश करने के बाद इस ड्राइविंग टेस्ट को पास कर लिया। इस टेस्ट को पास करने के बाद प्रैक्टिकल टेस्ट भी देना था। लेकिन वह इसमें 960 बार फेल हुई। लेकिन महिला ने हार नहीं मानी और आखिरकार 69 साल की उम्र में उन्हें ड्राइविंग लाइसेंस मिल ही गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ड्राइविंग लाइसेंस पाने के लिए 69 वर्षीय चासा सून को 11 हजार पाउंड यानी करीब 11 लाख रुपये खर्च करने पड़े। रिपोर्ट में बताया गया कि वह अपना परिवार पालने के लिए सब्जियां बेचती हैं। इस व्यवसाय के लिए उन्हें ड्राइविंग लाइसेंस की जरूरत थी, इसलिए उन्होंने कभी हार नहीं मानी। बता दें कि सैंकड़ों कोशिशों के बाद ड्राइविंग लाइसेंस पाने वाली चासा-सून एक सेलेब्रिटी बन गई हैं। वह कार कंपनी हुंडई के विज्ञापन में भी नजर आई थीं। साउथ कोरियन कंपनी हुंडई ने उन्हें 11,640 पाउंड (करीब 11.78 लाख रुपये) कीमत की एक कार भी गिफ्ट की।

अजब-गजब | डेड सी में नहाने से दूर हो जाती है लोगों की बीमारी!

इस समुद्र में चाहकर भी नहीं डूब सकता कोई

आपने सुना होगा कि समंदर बहुत खतरनाक और गहरे होते हैं। समंदर में आपने कई लोगों के डूबने की घटनाएं भी सुनी होंगी। समंदर में हर कोई तैरने की हिम्मत नहीं करता। एक असली तैराक ही समंदर में तैराकी के मजे ले सकता है। लेकिन सोचिए आपको तैरना नहीं आता और आप समंदर में चले जाएं तो क्या होगा। आप कहेंगे कि जिसको तैरना नहीं आता वो समंदर में डूब जाएगा। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक ऐसा समंदर भी है, जहां कोई चाहकर भी नहीं डूब सकता। अगर आपको तैरना नहीं आता तो भी आप इस समंदर में नहीं डूब सकते।

हम बात कर रहे हैं जॉर्डन और इजराइल के बीच में स्थित डेड सी की। इस समंदर में दुनिया भर के सभी समंदर से ज्यादा खारा है। इस समंदर में आप चाहकर भी नहीं डूब सकते। दरअसल, यहां पर नमक की मात्रा इतनी ज्यादा है कि दूसरे समन्दरों के मुकाबले यहाँ 6 से 7 गुना ज्यादा नमक पाया जाता है। पानी में इतना ज्यादा नमक होने के कारण यहां कोई नहीं डूबता। इसमें पानी का बहाव नीचे से ऊपर

की ओर है और यही कारण है कि इस समुद्र में सीधे लेट जाने पर आप इसमें डूब नहीं सकते। यहां हमेशा पर्यटकों की भी? लगी रहती है।

इस वजह से नाम पड़ा डेड सी

इस समुद्र का पानी इतना ज्यादा खारा है कि ना तो यहां कोई पेड़-पौधा है और न ही कोई घास। इस समुद्र में मछली और अन्य जीव भी नहीं पाए जाते। इसी कारण ग्रीक लेखक ने इसे डेड सी का नाम दिया था। वैसे इसे और भी कई नामों से बुलाया जाता है। हेब्रू में इसे नमक का सागर कहते हैं। वैसे तो इसको कई नामों से जाना जाता है कि लेकिन आज भी इसकी पहचान डेड सी के नाम से ही है।

मिनरल्स स्वास्थ के लिए लाभकारी

आपको जानकर हैरानी होगी कि यहां लोग सिर्फ मौज मस्ती ही नहीं बल्कि इस समंदर में मौजूद मिनरल्स स्वास्थ्य के लिए भी आते हैं। ये समंदर कुदरत का एक तोहफा है जो हजारों सालों की कोशिशों के बाद बना है। इसकी इन ही खूबियों के चलते इसे 2007 में 7 न्यू वंडर्स इन द वर्ल्ड की लिस्ट में शामिल किया गया।

कभी भी हो सकते हैं चुनाव, रहें तैयार : उद्धव

» राउत के शिंदे की सरकार गिरने वाले दावे के बाद बढ़ी सियासी हलचल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में एक बार फिर से सियासी माहौल तेज हो गया है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत के एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली सरकार गिरने के दावे के बाद से उद्धव ठाकरे काफी खुश नजर आ रहे हैं, उन्होंने जलगांव जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में चुनाव कभी भी हो सकते हैं और उनकी पार्टी इसके लिए तैयार है।

दरअसल, संजय राउत ने दावा किया था कि एकनाथ शिंदे की सरकार का डेथ वारंटजारी हो गया है। यह सरकार अगले पंद्रह-बीस दिन में गिर जाएगी। इस बयान के बाद ही ठाकरे का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि मामला सुप्रीम कोर्ट में है और हमें उम्मीद है कि फैसला हमारे पक्ष में आएगा। उसके बाद, कभी भी कुछ भी हो सकता है। उन्होंने बीजेपी से सवाल किया कि क्या अगले साल भी सीएम शिंदे के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा। ठाकरे ने तंज कसते हुए कहा कि राज्य बीजेपी प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा है कि शिंदे की पार्टी को कुल 288 में से केवल 48 सीटें आवंटित की जाएंगी। उन्होंने पूछा क्या बीजेपी केवल 48 सीटों पर चुनाव लड़ने वाले व्यक्ति के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगी? सीएम शिंदे और अन्य बागी नेताओं का जिक्र करते हुए ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी और समर्थक यह सुनिश्चित करेंगे कि देशद्रोही राजनीतिक रूप से खत्म हो जाएं.

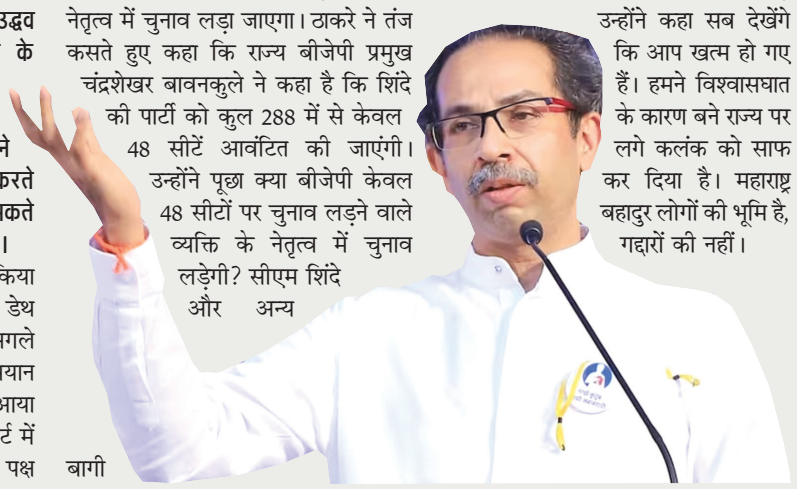

महाराष्ट्र नहीं है गद्दारों की भूमि

उन्होंने कहा सब देखेंगे कि आप खत्म हो गए हैं। हमने विश्वासघात के कारण बने राज्य पर लगे कलंक को साफ कर दिया है। महाराष्ट्र बहादुर लोगों की भूमि है, गद्दारों की नहीं।

राकांपा को तोड़ने की कोई कोशिश करेगा, तो कड़ा रुख अपनाएंगे

राकांपा के प्रमुख शरद पवार ने कहा कि अगर कोई राकांपा को तोड़ने की साजिश रच रहा है, तो पार्टी को कड़ी कार्रवाई करनी होगी। राकांपा प्रमुख की यह टिप्पणी उनके भतीजे अजित पवार के अगले राजनीतिक कदम को लेकर जारी अटकलों के बीच आई है। ऐसी चर्चाएं हैं कि अजित पवार महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से नजदीकियां बढ़ा रहे हैं। अजित पवार ने शुक्रवार को कहा था कि वह '100 प्रतिशत महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनना चाहेंगे। और राकांपा 2024 के विधानसभा चुनावों का इंतजार करने के बजाय 'अभी भी मुख्यमंत्री पद पर दावा जता सकती है। शरद पवार ने कहा,अगर कल कोई पार्टी (राकांपा) को तोड़ने की कोशिश कर रहा है, तो यह उनकी रणनीति है. यदि हमें एक रुख अपनाना है तो हमें कड़ा रुख अपनाना होगा।

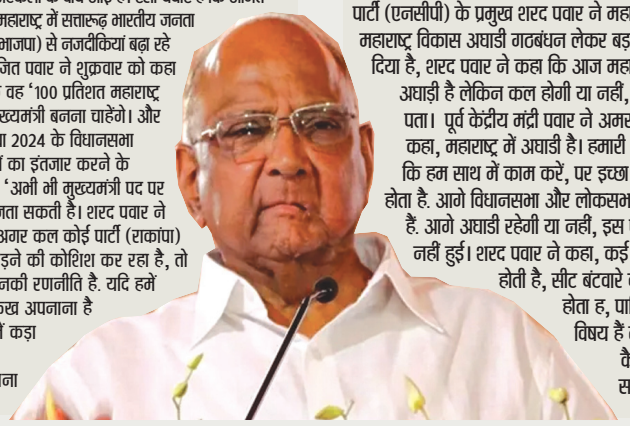

गठबंधन का कल क्या होगा मुझे नहीं पता : शरद पवार

मुंबई। महाराष्ट्र में एनसीपी, शिवसेना (उद्धव गुट) और कांग्रेस के बीच वाले अघाडी गठबंधन के भविष्य पर संकट दिख रहा है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र में महाराष्ट्र विकास अघाडी गठबंधन लेकर बड़ा बयान दिया है, शरद पवार ने कहा कि आज महाराष्ट्र में अघाड़ी है लेकिन कल होगी या नहीं, ये नहीं पता। पूर्व केंद्रीय मंत्री पवार ने अमरावती में कहा, महाराष्ट्र में अघाडी है। हमारी इच्छा है कि हम साथ में काम करें, पर इच्छा से क्या होता है. आगे विधानसभा और लोकसभा चुनाव हैं. आगे अघाडी रहेगी या नहीं, इस पर चर्चा नहीं हुई। शरद पवार ने कहा, कई प्रक्रिया होती है, सीट बंटवारे का मुद्दा होता ह, पार्टियों के विषय हैं तो अभी कैसे कह सकते हैं।

अमृतपाल सिंह गिरफ्तार भेजा गया डिब्रूगढ़ जेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गत 18 मार्च से फरार कट्टरपंथी उपदेशक अमृतपाल सिंह को पंजाब पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने के कुछ घंटे बाद असम की डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल ले जाया गया। उसके आठ सहयोगी पहले से ही इस अत्यधिक सुरक्षित जेल में कैद हैं। यह जेल पूर्वोत्तर की सबसे पुरानी और सबसे सुरक्षित जेलों में से एक है।

सूत्रों ने कहा कि अमृतपाल सिंह और उनके सहयोगियों को देश के दूसरे छोर पर ले जाने का कारण यह है कि उत्तर भारतीय जेलों में उसके जुड़े या अलगाववादी आंदोलन से जुड़े गैंगस्टर होने की अधिक संभावना है। सूत्रों ने कहा कि आरोपी को अन्य कैदियों और जेल कर्मचारियों के साथ जुड़ने से रोकने के लिए भाषा की बाधा एक और कारण है। डिब्रूगढ़ जेल एक बहुत ही सुरक्षित जेल है। इसके अलावा वहां स्थानीय सिख समुदाय खालिस्तान आंदोलन के प्रति सहानुभूति नहीं रखता है। वारिस पंजाब दे के चार सदस्यों को 19 मार्च को इस जेल में ले जाया गया था। इसके बाद से जेल परिसर के आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। जेल में तीन स्तरीय सुरक्षा है।

फोटो :4 पीएम

उल्लास पूरे देश में ईद हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर मस्जिदों में नमाज अदा की गई। लोगों ने गले मिलकर एक-दूसरे को बधाई दी। बच्चों ने सिंवईयां खाकर त्यौहार का आनंद लिया।

अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची चेन्नई

» सुपरकिंग्स ने केकेआर को 49 रन से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। आईपीएल 2023 के 33वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 49 रन से हरा दिया है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने 20 ओवर में चार विकेट गंवाकर 235 रन बनाए। अजिंक्य रहाणे ने 29 गेंदों में 71 रन की नाबाद पारी खेली।

इसके अलावा शिवम दुबे ने 21 गेंदों पर 50 रन और डेवोन कॉनवे ने 40 गेंदों पर 56 रन बनाए। जवाब में कोलकाता की टीम 20 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 186 रन बना सकी। जेसन रॉय ने सबसे ज्यादा 26 गेंदों में 61 रन बनाए। वहीं, रिंकू सिंह ने 33 गेंदों में 53 रन की नाबाद पारी खेली। इस जीत के साथ चेन्नई सुपर किंग्स की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। उसके सात मैचों में पांच जीत और दो हार के साथ 10 अंक हैं। वहीं, कोलकाता की टीम के सात मैचों में दो जीत और पांच हार के साथ चार अंक हैं। टीम अंक तालिका में आठवें स्थान पर है। पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई की शुरुआत खराब अच्छी रही थी। ऋतुराज गायकवाड़ और डेवोन कॉनवे ने पहले विकेट के लिए 73 रन जोड़े। सुयश शर्मा ने ऋतुराज को क्लीन बोल्ड किया। वह 20 गेंदों में दो चौके और तीन छक्के की मदद से 35 रन बना सके। इसके बाद वरुण चक्रवर्ती ने कॉनवे को आउट किया। आउट होने से पहले उन्होंने इस सीजन लगातार चौथा और आईपीएल करियर का सातवां अर्धशतक लगाया।

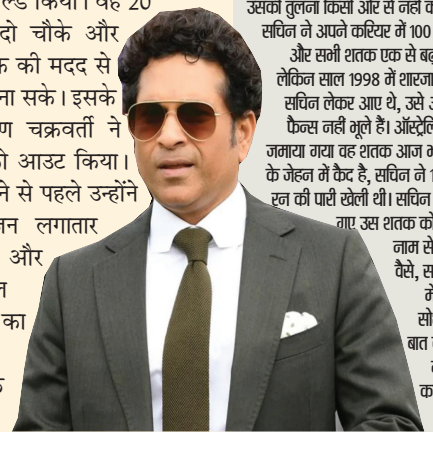

हैपी बर्थडे सचिन, 50 के हुए मास्टर ब्लास्टर

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर आज अपना 50वां जन्मदिन मना रहे हैं। महज 16 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने वाले सचिन ने अपने करियर में कई सारे रिकॉर्ड्स बनाए। 90 के दशक में सचिन ने भारतीय क्रिकेट में विश्व क्रिकेट के ऊंचाईयों पर पहुंचाया था। सचिन एक युग की तरह रहे। सचिन ने विश्व क्रिकेट में जो मुकाम हासिल किया है उसकी तुलना किसी ओर से नहीं की जा सकती है। सचिन ने अपने करियर में 100 शतक लगाए हैं और सभी शतक एक से बढ़कर एक रहे हैं, लेकिन साल 1998 में शारजाह में जो तूफान सचिन लेकर आए थे, उसे आजतक क्रिकेट फैन्स नहीं भूले हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जमाया गया वह शतक आज भी क्रिकेट फैन्स के जेहन में कैद है, सचिन ने 131 गेंदों में 143 रन की पारी खेली थी। सचिन के द्वारा जमाया गए उस शतक को डेजर्ट स्टॉर्म के नाम से जाना जाता है। वैसे, सचिन ने हाल ही में फैन्स के साथ सोशल मीडिया पर बात करते हुए अपने मनपसंद शतक का खुलासा किया था।

अतीक के कार्यालय में मिले खून के निशान

» मौके पर पहुंची फॉरेंसिक टीम, खून लगा हुआ चाकू, असलहा और नकदी मिली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद के करबला स्थित ढहाए गए कार्यालय में खून के निशान मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मौके पर खुल्दाबाद पुलिस मौजूद है। कार्यालय में रखे महिला के दुपट्टे और कुर्ती में खून लगा मिला है। साथ ही दफ्तर में सीढ़ियों से लेकर छत तक खून के निशान मौजूद हैं। पुलिस को तलाशी में खून लगा हुआ चाकू, असलहा और नकदी मिली है।

अब प्रयागराज पुलिस जांच में जुटी है कि ईद के दौरान यहां पर क्या हुआ है। अतीक-अशरफ को उमेश पाल हत्याकांड मामले में पुलिस ने रिमांड पर लिया था। हत्या वाले दिन दोनों पुलिस के साथ निशानदेही के लिए गए थे। वापसी में उनका मेडिकल कालिवन अस्पताल में हुआ था। वहां से निकलने के बाद मीडिया कर्मियों के वेश में आए अरुण मौर्य, लवलेश तिवारी और सनी ने मौका पाते ही अतीक-अशरफ को गोलियों से भून दिया था। 24 फरवरी को प्रयागराज में विधायक राजू पाल हत्याकांड के गवाह रहे उमेश पाल और उसके दो सरकारी गनर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से इस हत्याकांड की जांच शुरू की तो उसमें माफिया अतीक अहमद का बेटा उमेश पाल पर गोलियां बरसाते हुए नजर आ रहा आया। पुलिस ने इस हत्याकांड में शामिल 4 आरोपितों को मुठभेड़ में मार गिराया, बाकी अन्य आरोपितों की तलाश की जा रही है।

तीनों आरोपियों की रिमांड खत्म, भेजे गए जेल

प्रयागराज। माफिया ब्रॉदर्स अतीक अहमद और अशरफ हत्याकांड में गिरफ्तार किए गए तीनों शूटरों की कस्टडी रिमांड रविवार को खत्म हो गई। इस दौरान तीनों को प्रतापगढ़ जेल में दाखिल करा दिया गया। फिलहाल पांच दिन तक चली पूछताछ में भी हत्याकांड की साजिश के तार नहीं जुड़ पाए। शूटर नाम कमाने के लिए ही वारदात अंजाम देने की बात पर कायम रहे और सनी सिंह ही खुद को मास्टरमाइंड बताता रहा। तीनों शूटर सनी सिंह, अरुण कुमार मौर्य व लवलेश तिवारी को 19 अप्रैल को स्पेशल इनवेस्टिगेशन टीम(एसआईटी) ने कस्टडी रिमांड पर लिया गया था। इसके बाद पांच दिनों तक उनसे गहन पूछताछ की गई। कस्टडी रिमांड अवधि शाम पांच बजे तक थी। हालांकि इससे पहले ही उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस लाइन से दोपहर 12.30 बजे के करीब उन्हें प्रिजन वैन से रवाना किया गया। दोपहर 2.28 मिनट पर उन्हें प्रतापगढ़ जेल में दाखिल करा दिया गया।

नार्को या लाई डिटेक्टर टेस्ट की मांगी जा सकती है अनुमति

सूत्रों का कहना है कि भले ही शूटर खुद से ही वारदात अंजाम देने की बात पर कायम हैं। लेकिन अब भी उनके बयान पर पूरी तरह भरोसा नहीं किया जा रहा। यही वजह है कि विवेचना में जुटी एसआईटी जल्द ही शूटरों के नार्को या लाई डिटेक्टर टेस्ट की अनुमति के लिए अर्जी दाखिल कर सकती है। हालांकि इसके लिए अभियुक्तों की मंजूरी जरूरी होगी। फिलहाल इस बारे में पुलिस अफसर आधिकारिक रूप से कुछ बोलने को तैयार नहीं हैं।

शूटरों ने किसी साजिशकर्ता का नहीं उगला नाम

सूत्रों का कहना है कि एसआईटी की पूछताछ में फिलहाल शूटरों ने किसी साजिशकर्ता का नाम नहीं उगला। वह यही बयान देते रहे कि हत्याकांड को उन्होंने जरायम की दुनिया में नाम कमाने के लिए अंजाम दिया। इसकी प्लानिंग सनी ने दो महीने पहले की थी। 24 फरवरी को उमेश पाल हत्याकांड का वीडियो फुटेज देखने के बाद उन्हें लगा कि जब अतीक का बेटा इस तरह की वारदात कर सकते हैं तो वह क्यों नहीं। इसके बाद से ही वह टीवी, सोशल मीडिया के जरिए अतीक-अशरफ से जुड़ी हर खबर पर नजर रखने लगे थे।

प्रयागराज के होटल में मिला डिप्टी सीएमओ का शव

» खुदकुशी करने की आशंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। सिविल लाइंस स्थित होटल बिट्टल में प्रयागराज के डिप्टी सीएमओ सुनील कुमार सिंह ने खुदकुशी कर ली। होटल के कर्मचारियों की सूचना पर पहुंची पुलिस की मौजूदगी में कर्मचारियों ने कमरा खोला। पुलिस ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

सुनील कुमार सिंह बतौर डिप्टी सीएमओ तेज प्रताप हास्पिटल बेली में तैनात थे। रविवार की शाम को ही उन्होंने सिविल लाइंस में काफी हाउस के बगल स्थित होटल बिट्टल में कमरा लिया था। सोमवार सुबह काफी देर तक उनके बाहर न निकलने पर कर्मचारियों ने दरवाजा खटखटाया लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। इसके बाद अंदर झांककर देखा गया तो वह बदहवास पड़े थे। होटल कर्मचारियों की सूचना पर सिविल लाइंस पुलिस मौके पर पहुंच गई। आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है।

देश में कोरोना के सक्रिय मामलों में आई गिरावट 16 मरीजों की हुई मौत

नई दिल्ली। भारत में दो महीने से अधिक समय बाद आज सक्रिय मामलों में गिरावट दर्ज की गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार सोमवार को सात हजार से अधिक नए मामले सामने आए हैं।

वहीं सक्रिय मामले घटकर 65,683 रह गए हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, रविवार को देश में 10,112 कोविड के नए पॉजिटिव मरीज सामने आए थे, जबकि एक्टिव मरीजों की संख्या 67,806 थी। हालांकि सोमवार को बीते 24 घंटे में 7,178 नए मामले सामने आए। वहीं करीब 69 दिन यानी करीब दो महीने के बाद सक्रिय मरीजों की संख्या 65,683 दर्ज की गई। सरकारी आंकड़ों में कहा गया है कि सोमवार को 16 मौतें हुईं। इससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 5,31,345 हो गई है।

फोटो:4 पीएम

यातायात सप्ताह हजरतगंज चौराहे पर यातायात नियमों को तोड़ने व हेलमेट ना पहनने वाले लोगों को यमराज ने सिखाया सबक।

तेज आंधी-बारिश से तापमान लुढ़का, लू से मिलेगी राहत

» अगले दो-तीन दिन मौसम खराब होने के आसार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर भारत के कई हिस्सों में तेज आंधी व बारिश की वजह से गर्मी से आम लोगों को थोड़ी राहत मिली है। मौसम विभाग के अनुसार अभी तीन-चार दिन तक मौसम ऐसा ही सुहावना रहने की उम्मीद हैं। वहीं दिल्ली समेत कई राज्यों में भीषण गर्मी से फिलहाल बनी हुई राहत अभी आगे भी जारी रहेगी।

मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि देश के अधिकांश हिस्सों में अगले चार पांच दिनों तक वह स्थिति नहीं ही बनेगी, जिसने पिछले सप्ताह लोगों को परेशान किया था। दिल्ली एनसीआर में भी अभी दो दिन तो वर्षा होने की संभावना है ही, इसके बाद 28-29 को फिर वर्षा हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र उत्तर पश्चिमी मध्य प्रदेश और दूसरा आंतरिक तमिलनाडु पर बना हुआ है। अपेक्षाकृत कम दबाव की एक अक्षीय रेखा उत्तर पश्चिमी मध्य प्रदेश से तेलंगाना होते हुए दक्षिण तमिलनाडु तक चल रही है। स्काईमेट वेदर की मानें तो एक अन्य अक्षीय रेखा पूर्वोत्तर बिहार से झारखंड होते हुए ओडिशा तक फैली हुई है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अक्षीय रेखा आमतौर पर बादल बनाती है और वर्षा लाती है, जिससे तापमान में गिरावट आती है। स्काईमेट वेदर ने कहा है कि पूरे पूर्वोत्तर, पश्चिम बंगाल, झारखंड, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में छिटपुट वर्षा की उम्मीद है। पश्चिमी हिमालय, हरियाणा के कुछ हिस्सों, पंजाब, बिहार, दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश, दक्षिण-पूर्व मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और दक्षिण-आंतरिक कर्नाटक में छिटपुट वर्षा के साथ गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि सोमवार को दिन भर बादल छाए रहेंगे। 25 से 35 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज झोंकेदार हवा चलेगी और इसके साथ हल्की वर्षा भी होगी।

मई में भी मौसम सुहावना रहने की संभावना

अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 और 21 डिग्री रह सकता है। इसके बाद 28 व 29 तारीख को फिर बरसात होगी। मतलब, अप्रैल के पूरे माह ही गर्मी नहीं सताएगी। संभावना है कि मई माह की शुरुआत भी राहत भरी ही हो सकती है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।